इलेक्ट्रॉनिक घटक विनिर्माण योजना (ECMS)

[स्रोत: इकोनॉमिक्स टाइम्स](#)

भारत की **इलेक्ट्रॉनिक घटक विनिर्माण योजना (ECMS)** को **13 अरब अमेरिकी डॉलर** के **निवेश प्रस्ताव** प्राप्त हुए हैं, जो इसके लक्ष्य से लगभग दोगुना है। **MSME की 60% भागीदारी** के साथ, इस योजना से घरेलू उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा, आयात पर निर्भरता कम होगी और प्रत्यक्ष रूप से 1.41 लाख नौकरियों का सृजन होगा, जिससे भारत को **वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक केंद्र** बनने की दिशा में और सफलता मिलेगी।

- **परिचय:** [भारत सेमीकंडक्टर मिशन](#) के पूरक के रूप में अप्रैल 2025 में शुरू की गई **ECMS** का लक्ष्य **घरेलू मूल्य संवर्द्धन (DVA)** को बढ़ावा देकर और भारतीय फर्मों को **वैश्विक मूल्य शृंखलाओं (GVC)** से जोड़कर तैयार माल और चिप निर्माण से आगे बढ़कर भारत की इलेक्ट्रॉनिक मूल्य शृंखला का सुदृढ़ीकरण करना है।
    - ECMS ऑटोमोबाइल, बिजली और औद्योगिक क्षेत्रों के साथ क्षैतिज संबद्धता (आपूर्ति शृंखला में समान स्तर के प्रतिभागियों के बीच संबंध एवं सहयोग) में सहायक है।
- **योजना अवधि:** 6 वर्ष (1 वर्ष की उत्पादन/निर्माण पूर्व अवधि) अर्थात् वित्त वर्ष 2025-26 से वित्त वर्ष 2031-32 तक।
- **प्रोत्साहन संरचना:** ECMS के अंतर्गत **टर्नओवर-लिंक्ड, कैपेक्स-लिंक्ड या हाइब्रिड राजकोषीय प्रोत्साहन** प्रदान किया जाएगा, जिसमें टर्नओवर और कैपेक्स दोनों प्रोत्साहनों का एक हिस्सा **रोज़गार सृजन से संबद्ध है।**
    - प्रोत्साहन **फर्स्ट कम फर्स्ट सर्व** के आधार पर उन कंपनियों को प्रदान किये जाएंगे जो प्रारंभिक उत्पादन के लिये तैयार हैं।
- **महत्त्व:** इलेक्ट्रॉनिक्स **भारत का तीसरा सबसे बड़ा निर्यातक क्षेत्र** है और **देश वैश्विक स्तर पर दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल निर्माता** है। [उत्पादन-संबद्ध प्रोत्साहन (PLI)](#) और सेमीकंडक्टर पहलों के साथ, ECMS वर्ष 2030-31 तक 500 बिलियन अमेरिकी डॉलर के इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण इकोसिस्टम का निर्माण किये जाने की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण है।

और पढ़ें: [इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण की संभावनाओं को उजागर करना](#)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/electronics-component-manufacturing-scheme